नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-रूस साझेदारी की नई रफ्तार

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा और 23 वें वार्षिक शिखर सम्मेलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि वैश्विक भू-राजनीति कितनी भी बदले, भारत-रूस संबंध अपनी रणनीतिक स्थिरता नहीं खोते. यूक्रेन संघर्ष के बीच रूस पर बढ़ते पश्चिमी दबाव, ऊर्जा बाज़ारों में उथल-पुथल और एशिया में शक्ति-संतुलन बदलने की हलचल—इन सबके बीच यह यात्रा दोनों देशों के बीच विश्वास, पारस्परिक सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारी का एक सशक्त संदेश देती है.

सबसे महत्वपूर्ण प्रगति रक्षा क्षेत्र में हुई है. लंबे समय से लंबित रिसिप्रोकल एक्सचेंज का लॉजिस्टिक्स सपोर्ट समझौते को अब अंतिम रूप मिल चुका है. यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं को एक-दूसरे के सैन्य अड्डों और तकनीकी ढांचों के उपयोग की अनुमति देता है. ऐसे समय में जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता बढ़ रही है, यह व्यवस्था भारतीय नौसेना और वायुसेना के संचालन को एक नई ताकत देती है. इसके साथ ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की समयबद्ध आपूर्ति और अतिरिक्त रेजिमेंटों की संभावित खरीद पर चर्चा, भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है. मेक इन इंडिया के तहत एके - 203 राइफलों, ब्रह्मोस मिसाइलों, और एस यू - 30 एमकेआई के इंजन अपग्रेड पर सहमति भारत के रक्षा आत्मनिर्भरता मिशन को गति देगी. यह महज हथियारों का सौदा नहीं, बल्कि तकनीक हस्तांतरण का बड़ा अवसर है, जो आने वाले वर्षों में भारतीय सैन्य उद्योग की रीढ़ मजबूत कर सकता है. व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में हुए समझौते भी कम अहम नहीं. दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है. यह लक्ष्य केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि ऊर्जा, उर्वरक, स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर और उच्च-तकनीकी क्षेत्रों में गहन सहयोग का संकेत है.

उल्लेखनीय है कि भारत और रूस के बीच व्यापारिक लेन-देन में 96 फीसदी भुगतान राष्ट्रीय मुद्राओं—रुपया-रूबल—में हो रहा है. यह कदम डॉलर निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा बदलाव है और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है. ऊर्जा सुरक्षा भी इस दौरे का महत्वपूर्ण पहलू रही. रूस ने भारत को निरंतर और स्थिर ईंधन आपूर्ति का आश्वासन देकर लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को पुनः पुष्टि की है. वहीं, फ्लोटिंग न्यूक्लियर प्लांट्स और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर सहयोग की संभावनाएं भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती हैं. उर्वरक क्षेत्र में संयंत्र स्थापित करने का समझौता, कृषि अर्थव्यवस्था को स्थिरता देगा. कूटनीति के मोर्चे पर जारी संयुक्त बयान में आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई को केंद्र में रखा गया. पहलगाम और क्रोकस सिटी हॉल जैसे हमलों का संदर्भ, दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग की गहराई को रेखांकित करता है. साथ ही, यूएन, जी 20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों पर मिलकर कार्य करने का संकल्प बताता है कि वैश्विक मुद्दों पर भारत और रूस की समझ एक-दूसरे से मेल खाती है. प्रधानमंत्री मोदी की ओर से रूसी नागरिकों के लिए मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा आपसी मानव-सम्पर्क को नई दिशा देगी.

कुल मिलाकर, यह शिखर सम्मेलन दिखाता है कि पश्चिमी प्रतिबंधों और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बावजूद भारत-रूस 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' न केवल कायम है, बल्कि नए आयामों के साथ आगे बढ़ रही है. आने वाले वर्षों में इस सहयोग का प्रभाव रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और वैश्विक कूटनीति के हर मोर्चे पर स्पष्ट दिखाई देगा.

पीएम मोदी के सार्थक प्रयास

भारत-रूस संबंध नई ऊंचाई पर

राकेश शर्मा

विश्व पटल पर आज हर जगह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन की चर्चा हो रही है. भारत और रूस की दोस्ती का एक नया युग देखने को हमें दिखाई दे रहा है. भारत और रूस के संबंध जितने सुंदर और मजबूत आज हैं उससे यह प्रतीत हो रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत के हित को देखते हुए रूस से भारत के संबंधों को एक नई ऊंचाई और मजबूती दी है. आज भारत की तेल और गैस की जरूरत को रशीया पूरा कर रहा है. अंतरराष्ट्रीय दबाव में भारत कभी भी नहीं झुका है.

रूस से अपने संबंधों को हमेशा प्राथमिकता में रखते हुए भारत ने निर्णय किया. भारत की सैन्य जरूरत को भी रूस ने प्राथमिकता में रखते हुए हमेशा भारत को अपने सबसे अच्छे युद्ध सामान उपलब्ध कराए चाहे हम S-400 की बात करें या ब्रह्मोस मिसाइल की. आने वाले समय में रूस और S-400 मिसाइल सिस्टम भारत को उपलब्ध कराने वाला है. भारत और रूस ने अपने सैन्य समझौता को एक नई ऊंचाई दी है. रूस पांचवीं पीढ़ी के युद्ध विमान भारत को उपलब्ध कराने के लिए तैयार है, रूस और भारत के बीच जो सैन्य समझौते होते हैं उसमें रूस सैनिक टेक्नोलॉजी का भी हस्तांतरण भारत को करता है. मिसाइल सिस्टम हो या अन्य साजोसामान रूस और भारत संयुक्त रूप से भारत में बनाने लगा है जो भारत की सैन्य शक्ति को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है. लगातार अमेरिका हो या यूरोपीय यूनियन रूस पर सैंक्शन लगा रही है और वह यह दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं कि रशिया से कोई क्रूड ऑयल और गैस ना खरीदे जबकि यूरोपीय यूनियन लगातार रूस से गैस आयात कर रही है. मोदी सरकार ने पिछले समय में यह साबित कर दिया कि वह देश हित को पहले रखती है और किसी के दबाव में कोई निर्णय नहीं करती. भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. आज विश्व का हर देश भारत के साथ संबंधों को बेहतर बना कर रखना चाहता है. भारत का विशाल बाजार उन्हें हमेशा लुभाता रहता है. रूस के राष्ट्रपति भारत के दौरे पर आए हुए हैं, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रोटोकॉल को तोड़कर उन्हें रिसीव करने के लिए हवाई अड्डे पर पहुंचे.

प्रधानमंत्री निवास को दुल्हन की तरह सजाया गया है. अपने ऐतिहासिक स्वागत से रूस के राष्ट्रपति पुतिन बहुत प्रसन्न हैं. प्रधानमंत्री निवास पर भोजन और राष्ट्रपति भवन में गॉड ऑफ ऑनर के साथ उनके ऐतिहासिक स्वागत एक यादगार पल हैं. साथ ही पूरे रास्ते में रूस के राष्ट्रपति पुतिन के स्वागत के होडिंग बैनर लगाए गए हैं. रूस के राष्ट्रपति के साथ उनके मंत्रिमंडल के कई महत्वपूर्ण सहयोगी और एक बड़ा डेलिगेशन आया हुआ है, आने वाले एक-दो दिन में रूस और भारत के बीच कई बड़ी व्यापारिक और सैन्य डील हो सकती हैं जो दोनों देश के हित में होगी. रूस ने घोषित कर दिया है कि भारत इसका सबसे अच्छा मित्र है अगर कोई देश भारत पर हमला करता है तो उसे रूस पर हमला माना जाएगा.

रूस ने साथ ही यह भी कहा है कि रूस और चीन के संबंध किसी भी तरह भारत के हित के आड़े नहीं आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को कितना मजबूत बना दिया है कि आज यूरोपीय यूनियन भारत से अपील कर रही है कि वह रूस के राष्ट्रपति से कहें कि रूस यूक्रेन के साथ चल रही अपनी लड़ाई को रोके क्योंकि रूस भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को मानता है. आज भारत और रूस के बीच जो व्यापारिक संबंध हो चल रहे हैं उसमें भारत अपनी मुद्रा रूपे में पेमेंट कर रहा है जिससे डॉलर पर निर्भरता काम हो रही है. देश हित में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कदम उठा रहे हैं वह हमारी भावी पीढ़ी के लिए सुनहरा भविष्य तैयार कर रहे हैं. भारत और रूस के संबंध इसी तरह हमेशा मजबूत रहे और भारत और मजबूत हो यह हर देशवासी के हित में है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत जल्दी ही विश्व गुरु बनेगा.

मध्य क्षेत्र की डायरी

कानून के रखवालों पर दाग

दिलीप झा

सरकार ने विधान सभा सत्र के दौरान जो जानकारी दी है वह प्रदेश के लिए शर्मसार करने वाली बात है. अगर कानून के रखवालों पर दो वर्ष के अंदर 329 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं तो स्पष्ट है कि सरकार ने बेहतर पुलिसिंग नीति को अमलीजामा पहनाया है लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि कुछ भ्रष्ट पुलिस कर्मियों के कारण पूरे सिस्टम ने लोगों में अपना भरोसा खोया है.

भ्रष्टाचार में लिप्त 259 पुलिसकर्मियों पर चालानी कार्यवाही और 61 के खिलाफ जांच जारी है. वहीं, 7 एफआईआर निरस्त हुई और दो पर स्टे मिला हुआ है. इनमें सबसे ज्यादा भोपाल शहर में 48 पुलिस वालों पर मुकदमे दर्ज हैं. इसके बाद ग्वालियर में 27, इंदौर सिटी और देहात में 17 पुलिसकर्मियों पर मुकदमे दर्ज हैं. यह जानकारी खुद मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक बाला बच्चन के प्रश्नों के जवाब में दी है. सरकार भलीभांति जानती है कि पुलिस तंत्र को मजबूत किये बिना आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण कतई संभव नहीं है क्योंकि दशकों से यहां बड़ा षडयंत्र चल रहा है कि शांत प्रदेश को अशांत कैसे बनाया जाए. खासतौर पर एमपी के खंडवा और बुरहानपुर जिलों में आतंकी संगठन सक्रिय है और यहीं से वे पूरे राज्य में असामाजिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं. ये असामाजिक तत्व प्रदेश में अशांति का वातावरण तैयार करना चाहते हैं ताकि सरकार को बदनाम किया जा सके?

सूत्रों का कहना है कि पुलिस के कुछ लोगों का आपराधिक गतिविधियों में शामिल तत्वों के साथ संलिप्तता होने के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. इसकी गहनता से जांच होनी चाहिए. सरकार के मंत्री भी यह स्वीकार कर रहे हैं कि कानून व्यवस्था सुचारू नहीं है तो जाहिर है विपक्ष इस मसले पर सरकार के खिलाफ हमलावर है. अपराधी जनता से पैसे लूटकर सरकार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं और हमारा सिस्टम कुछ नहीं कर पा रहा है तो यह सरकार के लिए घोर चिंता का विषय होना चाहिए. जांच एजेंसियों को चुस्त-दुरुस्त रखना चाहिए ताकि सही सूचनाएं मिल सकें. सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था के लिए कटिबद्ध बीजेपी सरकार को आम जनता की नजरों में गिराने का बड़ा खेल चल रहा है. इसलिए जिन पुलिस कर्मियों के खिलाफ विवेचना चल रही है उसकी रिपोर्ट जल्द आनी चाहिए ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित हो सके.

रुक नहीं रही लूट और हत्या

28 नवंबर को इंदौर के महू में दस लाख की लूट और एक सप्ताह के भीतर अशोकनगर शहर में 3 दिसंबर को 20 लाख की लूट एवं 4 दिसंबर को श्योपुर में किसान की आंखों में मिर्च पाउडर झोंककर 5 लाख की लूट जैसी घटनाओं से प्रदेश में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं. लोग कहते हैं कि पुलिस की लचर और लुंज-पुंज कार्यप्रणाली की वजह से बदमाशों के हौसले बुलंद हैं. जब तक ऐसे अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, अपराधी जनता की गाढ़ी कमाई लूटते ही रहेंगे. इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि पुलिस का खौफ खत्म होना किसी भी प्रदेश के लिए घातक माना जाता है. इससे लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से बिगड़ने की नौबत आ जाती है. अशोकनगर में बदमाशों ने बाइक अड़ाकर गल्ला व्यापारी को रोका और कट्टे की नोंक पर डिग्गी तोड़कर 20 लाख रुपये लूट लिए. गल्ला व्यापारी के विरोध करने पर बदमाशों ने कट्टे की बट से उनके सिर पर हमला किया, डराने के लिए हवाई फायर भी किया. लेकिन हैरानी की बात यह है कि अशोकनगर पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी. पुलिस की रवैया क्यों नहीं सुधर रहा है, यह समझ से परे है.

किसका मोहरा है आईएएस संतोष वर्मा

आईएएस संतोष वर्मा की बदजुबानी से सरकार की बहुत किरकिरी हुई है. प्रदेश के दो सांसद जनार्दन मिश्र और आलोक शर्मा ने ब्राह्मण की बेटियों को लेकर असभ्य टिप्पणी करने वाले आईएएस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने यह भी मांग की है कि इसकी जांच होनी चाहिए कि किसके कहने पर वर्मा ने ऐसा बयान दिया. यह किसका मोहरा है. क्योंकि किसी वर्ग या समुदाय पर जातिगत टिप्पणी कर सामाजिक समरसता और सौहार्द को बिगाड़ना कानूनी जुर्म है. जबकि राज्य सरकार ने आईएएस संतोष वर्मा को नोटिस देकर सात दिन में जवाब मांगा है. इस बीच, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने बुधवार को पीएमओ में राज्यमंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर आईएएस संतोष वर्मा को बर्खास्त करने की मांग की है. डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने सांसद आलोक शर्मा को आश्वस्त किया है कि जांच के बाद समुचित कार्रवाई की जाएगी. इस बीच पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने सरकार से मांग की है कि बदजुबान आईएएस वर्मा के ऊपर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए और उसे तत्काल बर्खास्त किया जाए. कांग्रेस नेता और ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका द्विवेदी ने मोहन यादव सरकार से संतोष वर्मा को बर्खास्त करने की मांग की ताकि सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वालों को सबक मिल सके. वहीं, गुरुवार को वर्मा ने सरकार द्वारा भेजे गए कारण बताओ नोटिस के जवाब में कहा कि उसके भाषण के एक अंश को दिखाया गया है.

क्या लोकभवन होगा लोकाभिमुख?

आजादी के 78 वर्ष बाद राज्यपाल निवास को गवर्नर्स हाउस या राजभवन कहने की बजाय 'लोकभवन' का नाम दिया गया. लोकतंत्र में 'राज' शब्द सुसंगत नहीं लगता, इसलिए दिल्ली के राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्यपथ किया गया. महात्मा गांधी जैसे राजतंत्र विरोधी की समाधि आज भी राजघाट कहलाती है. क्या सरकार उसे 'लोकघाट' का नाम देने का विचार करेगी? जहां तक लोकभवन की बात है क्या ऐसा समझा जाए कि इससे राज्यपाल को लोकाभिमुख होना पड़ेगा? राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख होते हैं जिनका सामान्य लोगों से संपर्क कम ही आता है. लोग निर्वाचित नेताओं जैसे मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक से ही उम्मीद करते हैं कि वह उनकी मांग पूरी करें और न्याय दें. राज्यपाल विधानमंडल की सलाह से काम करते हैं और वहां पारित विधेयकों को मंजूरी देने या न देने का निर्णय लेते हैं. उनके हस्ताक्षर से विधेयक कानून का रूप लेता है. विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्य में राज्यपाल व मुख्यमंत्री के बीच अनबन बनी रहती है जिसकी मिसाल बंगाल और तमिलनाडु हैं. राज्यपाल को लंबे समय तक बिल रोके रहने का अधिकार है या नहीं, यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के सामने गया था.

आम तौर पर धारणा यही है कि राज्यपाल केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप काम करता है. राज्यपाल राज्य सरकार के प्रति उत्तरदायी नहीं होता. वह संविधान के मुताबिक निर्णय लेता है और उसकी नियुक्ति से लेकर वैचारिक झुकाव तक केंद्र सरकार से जुड़ा होता है. कुछ आलोचक तो राज्यपाल पद को रिटायर्ड नेताओं की आरामगाह भी करार देते हैं. यदि वे विपक्ष शासित राज्य में रहते हैं, तो वहां के कार्यकलाप की रिपोर्ट केंद्र भेजते रहते हैं. उनकी सिफारिश के आधार पर केंद्र किसी राज्य की सरकार बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय लेती है. कुछ राज्यपाल आत्मकेंद्रित या रिजर्व प्रकृति के होते हैं. इसमें महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी अपवाद रहे हैं, जो अधिकारियों की बैठक बुलाते थे या कुछ लोगों को सीधे मिलने की अनुमति देते थे. अभिनेत्री कंगना रनौत उनसे अपनी शिकायत लेकर मिलने गई थीं. यदि व्यवहार में राजभवन सचमुच लोकभवन बन जाए, तो आम जनता को खुशी होगी लेकिन प्रोटोकॉल के रहते क्या ऐसा संभव हो पाएगा? नाम देने के पीछे लोकतांत्रिक भावना है, लेकिन वास्तविकता अपनी जगह है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

डॉलर का चमकता सितारा गिरते रुपये को किसका सहारा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, गिरते हुए को सहारा देना या उठाना हमारी संस्कृति है. इसे अंग्रेजी में अपलिफ्टमेंट कहते हैं. फिलहाल रुपया बुरी तरह गिरता जा रहा है. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले वह 90.15 रुपये पर आ गया. ऐसा ही चलता रहा तो शीघ्र ही वह समय आएगा जब 1 डॉलर पूरे 100 रुपये के बराबर हो जाएगा. हमारी सरकार को रुपये की इस हालत पर दया आनी चाहिए. उसे गिरने और लुढ़कने से बचाना चाहिए.'

हमने कहा, 'जो गिरता है, उसे कोई नहीं बचाता. धर्मराज युधिष्ठिर ने भी अपने भाइयों और द्रौपदी को गिरने से नहीं बचाया था. अपने पौत्र परीक्षित को गद्दी पर बिठाने के बाद पांचों पांडव द्रौपदी सहित हिमालय की ऊंचाई पर जाने लगे. एक-एक कर सहदेव, नकुल, द्रौपदी, अर्जुन, भीम खाई में गिरते चले गए लेकिन धर्मराज ने उस ओर ध्यान नहीं दिया और अकेले बढ़ते चले गए. इसी तरह त्रिशंकु जैसे प्रतापी राजा को विश्वामित्र ने सदेह स्वर्ग भेजा. वहां देवताओं ने यह कहकर उसे नीचे गिरा दिया भारत गुजरात कि बगैर

मरे स्वर्ग में कैसे आ रहे हो? विश्वामित्र उसे पृथ्वी पर वापस लेने के लिए तैयार नहीं थे. इसलिए गिरने के बाद त्रिशंकु अधर में लटक गया और ह्यूमन सैटेलाइट बनकर अंतरिक्ष में घूमता रहा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, रुपये के गिरने की बात करने की बजाय आप पुराण कथा सुनाने लगे. कोई तब गिरता है जब बैलेंस बिगड़ता है या केले के छिलके पर पांव फिसल जाता है. बताइए रुपये के साथ क्या हुआ? पुरानी फिल्म 'बादल' में मधुबाला प्रेमनाथ को देखकर गाती है ऐ दिल न मुझसे छुपा, सच बता क्या हुआ? प्रेमनाथ गाता है-जाने भी दो दिलरुबा जो हुआ सो हुआ.'

हमने कहा, 'सीधी बात है कि ट्रंप के टैरिफ लादने और चीन के एक्सपोर्ट बढ़ाने से हमारा रुपया अपना वैल्यू खो बैठा. अब यदि रुपये को और गिरने से बचाना है तो भारत को अपना निर्यात बढ़ाना होगा तथा चीनी माल की खरीदारी से बचना होगा. अब आप भी गिरते रुपये की बजाय सोने के चढ़ते दामों को देखिए, 8वां पे कमीशन आने के बाद नए साल में सरकारी कर्मचारियों का वेतन भी तेजी से ऊपर चढ़ जाएगा. गिरते रुपये की बजाय चढ़ता सूरज देखने की आदत डालिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12102 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3		■	4
5		■	6		■	7	
8		9	■	10	11		
■	12		13			■	■
14	■	15			■	16	
17				■	18		■
	■	19		■	20		21
22			■	23			

बाएं से दाएं

1. अभक्ष्य, न खाने योग्य (सं) 3. मधुर, स्वादिष्ट 5. सांस, प्राण 6. मित्र, प्रेमी, हिमायती (उर्दू) 7. मरहम लगा हुआ कपड़े या रुई का टुकड़ा 8. वर्णन, बढ़ाई, प्रशंसा 10. जादू जानने या करने वाला 12. साथ में यात्रा करने वाला (उर्दू) 15. एक तरह का विषैला कीड़ा, रंग के विचार से घोड़े का एक भेद 16. ब्रम्हा के चौदह पुत्र जो मनुष्यों के मूल पुरुष माने जाते हैं 17. शोरगुल, हल्ला 18. काले रंग की एक धातु जिससे हथियार तथा यंत्र आदि बनाए जाते हैं 19. लाल, रंगा हुआ 20. विवाह के समय वर सहित कुछ लोगों का कन्या पक्ष के यहां जाना 22. मुसलमानों के शासनकाल में किसी देश का प्रबंधकर्ता, किसी न्यायालय संबंधी किसी कार्यालय का प्रबंधकर्ता (उर्दू) 23. अपरिचित, नासमझ

ऊपर से नीचे

1. शिष्टाचार (उर्दू) 2. व्यर्थ (उर्दू) 3. नवाब सिराजुद्दौला की फौज का सिपहसालार जो अपनी गद्दारी के लिए जाना जाता है 4. हवा, पवन 7. फाल्गुन मास का आनंदोत्सव, उस उत्सव में गाया जाने वाला गीत 9. कृतघ्न (उर्दू) 11. बहुत अंतर पर, फासले पर 13. सीधापन, सादगी, निष्कपटता 14. नाखूनों से नोचना 16. बहुत बड़ा राजा 18. एक प्रकार का सुगंधित गोंद जो जलाने तथा दवा के काम आता है, एक वृक्ष का गोंद सदृश सुगंधित रस (उर्दू) 21. शरीर, देह

Solution 12101

अ	म	र	स	■	त्रि	पा	ठी
दा	ह	■	म	■	क	स	■
य	क	ब	य	क	■	पो	प
गी	■	ल	■	रि	पो	र्ट	र
■	जा	■	दे	व	ता	■	हे
पा	ल	क	■	द	■	सा	ज
र	■	ब	ज	न	दा	र	■
स	ह	च	री	■	दा	स	ता

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. राजनैतिक लाभ होगा. वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. आय के अन्य स्त्रातों में वृद्धि होगी. पूर्व परिचित से भेंट होगी. सफलता मिलेगी. मन में प्रसन्नता रहेगी. वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है. स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा. शुभ समाचार मिलेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम व उदासीनता रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को आपसी सामंजस्य के साथ काम लेना हितकर रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना चाहिये. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को जमीन जायजाद के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, बड़े नेत्रों वाला शरीर से कोमल एवं मन में भावुक होगा. स्वास्थ्य में कुछ नरम गरम रहेगा, अपनी इच्छानुसार कार्य करेगा, दूसरों को शीघ्र अपनी ओर आकर्षित करेगा. प्रवास का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

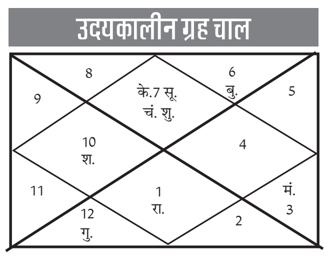

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 पौष कृष्ण द्वितीया शनिवासरे रात 12/52, मृगशिरा नक्षत्रे दिन 11/51, साध्य योगे प्रातः 7/1 तदुपरि शुभ योगे रातअंत 4/2, तैतिल करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार मिथुन, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण द्वितीया को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी के भाव में तेजी होगी. पीतल, तांबा, लोहा, शेयर, रूई, कपास, सन, जूट, पाट, बारदाना में तेजी होगी. हल्दी, सौंप, मिर्च, मजीट में तेजी का योग है. भाग्यांक- 7110 है.

मेष- अज्ञात भय एवं चिन्ता रहेगी. उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा. इच्छा के अनुसार कामकाज की अधिकता रहेगी. निजी दायित्व बढ़ेंगे.

वृषभ- जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होगा. शत्रुओं का पराक्रम बढ़ेगा. कामकाज की अधिकता रह सकती है. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

मिथुन- खानपान की अनियमितता बनी रहेगी. शारीरिक कष्ट होगा. जोखिम कार्यों में उत्साह बना रहेगा. जमिथुन, जायजाद के कार्य लाभदायक रहेंगे.

कर्क- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. विशिष्टजनों से समाचार मिलेगा. नये कार्यों में उत्साह बना रहेगा. जमिथुन, जायजाद के कार्य लाभदायक रहेंगे

सिंह- आजीविका प्रयासों में सफलता मिलेगी. माता पिता का सुख मिलेगा. दायित्वों की पूर्ति होगी. पद, प्रतिष्ठा, सम्मान में वृद्धि होगी.

कन्या- स्थायी एवं अन्य साधनों की प्राप्ति होगी. सामाजिक प्रभाव रहेगा. मित्रों एवं अधिकारियों की मदद मिलेगी. रचनात्मक कार्य बनेगा.

तुला- आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी. दैनिक कार्य में व्यवधान आ सकता है. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. दूरगामी परिणाम सामने आ सकता है.

वृश्चिक- शासकीय पक्ष आपके अनुकूल रहेगा. इच्छानुसार सभी कामकाज बनेंगे. दूरगामी परिणाम आपके पक्ष में होंगे. साहसिक पराक्रम बना रहेगा. लाभ होगा.

धनु- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. विशिष्टजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन कार्यों के प्रति सचेत रहें. मित्र वर्ग संतुष्ट रहेंगे. संयम से कार्य करें

मकर- पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा. सामाजिक सेवा में वृद्धि होगी. दूर की यात्रा होगी.

कुम्भ- सुख सुविधाओं में विघ्न बाधा उपस्थित होगी. प्रियजनों के कारण पीड़ा हो सकती है. व्ययभार बढ़ेगा. निजी कामकाज बनेगा. धैर्य से कार्य करें.

मीन- संतान संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होने के योग हैं. लेखन, अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

SUDOKU 7234

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7233

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1